Durga Tutorial

Online Classes

बिहार बोर्ड और CBSE बोर्ड की तैयारी

Free Notes के लिए

www.durgatutorial.com

पर जाएँ।

ज्यादा जानकारी के लिए हमें
Social Media पर Follow करें।

https://www.facebook.com/durgatutorial23/?modal=admin_todo_tour

https://twitter.com/DurgaTutorial

https://www.instagram.com/durgatutorial/

https://www.youtube.com/channel/UC5AJcz6Oizfohqj7eZvgeHQ

9973735511

CBSE Class 12 भूगोल

एनसीईआरटी प्रश्न-उत्तर

पाठ-5

प्राथमिक क्रियाएँ

प्र०1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

(i) निम्न में से कौन-सी रोपण फसल नहीं है?

(क) कॉफी

(ख) गन्ना

(ग) गेहूँ

(घ) रबड़

उत्तर- (ग) गेहूँ

(ii) निम्न देशों में से किस देश में सहकारी कृषि का सफल परीक्षण किया गया है?

(क) रूस

(ख) डेनमार्क

(ग) भारत

(घ) नीदरलैंड

उत्तर- (ख) डेनमार्क

(iii) फूलों की कृषि कहलाती है-

(क) ट्रक फार्मिंग

(ख) कारखाना कृषि

(ग) मिश्रित कृषि

(घ) पुष्पोत्पादन

उत्तर- (घ) पुष्पोत्पादन

(iv) निम्न में से कौन-सी कृषि के प्रकार का विकास यूरोपीय औपनिवेशिक समूहों द्वारा किया गया?

(क) कोलखहोज़

(ख) अंगूरोत्पादन

Durga Tutorial Since 1996 Baniapur

(ग) मिश्रित कृषि
(घ) रोपण कृषि

उत्तर- (घ) रोपण कृषि

(v) निम्न प्रदेशों में से किसमें विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि नहीं की जाती है?
(क) अमेरिका एवं कनाडा के प्रेयरी क्षेत्र
(ख) अर्जेंटाइना के पंपास क्षेत्र
(ग) यूरोपीय स्टैपीज क्षेत्र
(घ) अमेंजन बेसिन

उत्तर- (घ) अमेंजन बेसिन

(vi) निम्न में से किस प्रकार की कृषि में खट्टे रसदार फलों की कृषि की जाती हैं?
(क) बाज़ारीय सब्जी कृषि
(ख) भूमध्यसागरीय कृषि
(ग) रोपण कृषि
(घ) सहकारी कृषि

उत्तर- (ख) भूमध्यसागरीय कृषि

(vii) निम्न कृषि के प्रकारों में से कौन-सा प्रकार कर्तन-दहन कृषि का प्रकार है ?
(क) विस्तृत जीवन निर्वाह कृषि
(ख) आदिकालीन निर्वाह कृषि
(ग) विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि
(घ) मिश्रित कृषि

उत्तर- (ख) आदिकालीन निर्वाह कृषि

(viii) निम्न में से कौन-सी एकल कृषि नहीं है?
(क) डेरी कृषि
(ख) मिश्रित कृषि
(ग) रोपण कृषि
(घ) वाणिज्य अनाज कृषि

उत्तर- (ख) मिश्रित कृषि

प्र०2. निम्न प्रश्नों का 30 शब्दों में उत्तर दीजिएं-

(i) स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है। विवेचना कीजिए।

उत्तर- स्थानांतरी कृषि -स्थानांतरी कृषि में भूमि की उर्वरता समाप्त होते ही उसे छोड़ना पड़ता है और दूसरी भूमि के टुकड़े की वनस्पति को काट और जलाकर साफ करना पड़ता है। इससे भूमि व पर्यावरण दोनों को हानि होती है। दूसरी तरफ़, जिन क्षेत्रों में कृषि का यह आदिम रूप प्रचलित है, वे लोग भी आधुनिक प्रौद्योगिकी से परिचित होने लगे हैं। अत: इस प्रकार स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं हैं।

(ii) बाज़ारीय सब्ज़ी कृषि नगरीय क्षेत्रों के समीप ही क्यों की जाती हैं?

उत्तर- बाज़ारीय सब्ज़ी कृषि जिसमें फल, सब्जियाँ, व पुष्प उगाए जाते हैं, की माँग व खपत नगरीय क्षेत्रों में ज्यादा होती है। ऊँची आय वाले उपभोक्ता नगरीय केंद्रों में रहते हैं, जहाँ इन उत्पादों को अच्छी कीमत मिल जाती है। कृषि के इस रूप में गहन श्रम तथा अधिक पूँजी की जरूरत होती है जिसको पूरा करने के लिए उच्च आय वाले उपभोक्ता ही कर पाते हैं। अत: यह कृषि नगरीय क्षेत्रों के समीप ही की जाती हैं।

(iii) विस्तृत पैमाने पर डेरी कृषि का विकास यातायात के साधनों एवं प्रशीतकों के विकास के बाद ही क्यों संभव हो सका हैं?

उत्तर-डेरी कृषि- डेरी कृषि में बड़े पैमाने पर दुधारू पशुओं को वैज्ञानिक विधि से पाला जाता है। दूध तथा दुग्ध उत्पाद जल्दी खराब होने वाले पदार्थ होते हैं। अत: इन्हें समय पर उपभोक्ताओं तक पहुँचाना होता है जो विकसित यातायात के साधनों एवं प्रशीतकों का उपयोग करके व पाश्चुरीकरण की सुविधाओं के प्रचलन के बादपश्चात ही इस कृषि का विकास तेजी से हुआ है। इन साधनों ने इस कृषि के विस्तृत पैमाने पर विकास में भी सहायता की हैं।

प्र०3. निम्न प्रश्नों का 150 शब्दों में उत्तर दीजिए-

(i) चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुधन पालन में अंतर कीजिए।

उत्तर-

चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुधन
1. चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन-निर्वाह व्यवसाय है | जिसमें पशुचारक अपने भोजन, वस्त्र, शरण, औज़ार एवं यातायात के लिए अपने पशुओं पर निर्भर करता हैं।	1. अब चलवासी पशुचरण की अपेक्षा वाणिज्य पशुधन पालन अधिक व्यवस्थित एवं पूँजीप्रधान है। यह पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित है। 2. वाणिज्य पशुधन पालन के फार्म स्थायी होते हैं। ये फार्म

2. पशुचारक पानी एवं चरागाहों की खोज में मैदानी भागों तथा पर्वतीय क्षेत्रों में लम्बी दूरियाँ तय करते हैं। 3. भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के पशु पाले जाते हैं जो वहाँ की जलवायु व प्राकृतिक वातावरण के अनुकूल उपयोगी होते हैं। 4. पशुचारक ऋतुओं के अनुसार, अपने पशुओं के साथ ऋतुप्रवास करते हैं। भारत में गुज्जर, बकरवाल, गद्दी एवं भूटिया लोगों के समूह ग्रीष्मकाल में 'मैदानी' क्षेत्रों से पर्वतीय क्षेत्रों की ओर तथा शीत ऋतु में पर्वतीय क्षेत्रों से मैदानी क्षेत्रों की ओर आ जाते हैं | इसी प्रकार टुंड्रा प्रदेशों तथा मरुस्थलों में भी ऋतु प्रवास होता है। 5. चलवासी पशुचारकों की संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है, ये लोग दूसरे व्यवसायों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।	विस्तृत क्षेत्र में फैले होते हैं तथा संपूर्ण क्षेत्र को छोटी-छोटी इकाइयों में विभाजित कर दिया जाता है। इसमें चराई नियंत्रित होती है। 3. वाणिज्य पशुधन पालन में पशुओं की संख्या भी चरागाह की वहन क्षमता के अनुसार ही रखी जाती है। 4. यह एक विशिष्ट गतिविधि है, जिसमें केवल एक ही प्रकार के पशु पाले जाते हैं। पशुओं में भेड़, बकरी, गाय-बैल व घोड़े होते हैं। 5. पशुओं को मांस, खालें एवं ऊन प्राप्त करने के लिए पाला जाता है। यह उत्पाद वैज्ञानिक ढंग से संसाधित एवं डिब्बाबंद कर विश्व के बाजारों में निर्यात कर दिया जाता है। 6. पशुधन पालन को वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित करके पशुओं के प्रजनन, जननिक सुधार व बीमारियों को नियंत्रित कर उनके स्वास्थ्य पर जोर दिया जाता है।

(ii) रोपण कृषि की मुख्य विशेषताएँ बतलाइए एवं भिन्न-भिन्न देशों में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख रोपण फसलों के नाम बताइए।
उत्तर- रोपण कृषि की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

1. रोपण कृषि एक फसली कृषि है, इसमे किसी एक फसल के उत्पादन पर ही ध्यान दिया किया जाता है।
2. इस कृषि क्षेत्र का आकार बहुत विस्तृत होता है।
3. बागान एवं बाज़ार विकसित यातायात के द्वारा सुचारु रूप से जुड़े होते हैं।
4. इस कृषि में अधिक उच्च प्रबंध,नव पूँजीनिवेश एवं तकनीकी आधार तथा वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।
5. इस कृषि का आरंभ यूरोपीय साम्राज्यवादी देशों ने अपने अधीन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कॉफी, कोको,चाय, रबड़, कपास, गन्ना, केले एवं अनन्नास की पौध लगाकर किया था।
6. रोपण कृषि सस्ते किंतु कुशल श्रमिकों के आधार पर की जाने वाली कृषि है।

फ्रांसीसियों ने पश्चिमी अफ्रीका में कॉफी एवं कोकोआ का पौधा लगाया था । ब्रिटेनवासियों ने भारत एवं श्रीलंका में चाय के बाग, मलेशिया में रबड़ के बाग एवं पश्चिमी द्वीपसमूह में गन्ना एवं केले के बाग विकसित किए। स्पेन एवं अमेरिकावासियों ने फिलीपाइंस में नारियल व गन्ने के बागान लगाए। इंडोनेशिया में गन्ने की कृषि पर डचों (हॉलैंडवासियों) का एकाधिकार था।
ब्राजील में अभी भी कुछ कॉफी के बागान, जिन्हें फेज़ेंडा कहा जाता है, यूरोपवासियों के नियंत्रण में हैं। किंतु वर्तमान में अधिकतर बागानों का स्वामित्व इन देशों के नागरिकों अथवा सरकार के पास है।

Durga Tutorial

Online Classes

Thank You For Downloading Notes

ज्यादा जानकारी के लिए हमें Social Media पर Follow करें।

https://www.facebook.com/durgatutorial23/?modal=admin_todo_tour

https://twitter.com/DurgaTutorial

https://www.instagram.com/durgatutorial/

https://www.youtube.com/channel/UC5AJcz6Oizfohqj7eZvgeHQ

9973735511